बृहस्पतिवार 32 साल से देहरादून का विश्वास

05 दिसम्बर 2024

- देहरादून
- वर्ष 32
- अंक 294
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आकर बाइक सवार दो भाईयों की मौत

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। सड़क दुर्घटना में आज सुबह ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आकर बाइक सवार दो सगे भाई गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिन्हे अस्पताल पहुचाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया है। वहीं पुलिस ने दोनो शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

सड़क दुर्घटना का यह मामला ऊधमसिंहनगर जिले के बाजपुर में मलेरिया रोड पर घटित हुआ है। जहां ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से बाइक सवार दो सगे भाईयों की दर्दनाक मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों को अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि आज सुबह साढ़े छह बजे केलाखेड़ा के गांव गणेशपुर निवासी मोहम्मद इलियास (28) और उसका भाई फरीद अहमद (23) बाइक से बाजपुर के गांव सीता कालोनी जा रहे थे। तभी मलेरिया रोड पर वह ट्रैक्टर ट्राली ने की चपेट में आ गए। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से घायलों को उप जिला चिकित्सालय में भेजा। जहां डॉक्टर ने दोनों भाइयों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद चालक ट्रैक्टर ट्राली को छोड़ कर भाग गया। घटना में बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना स्थल पर सड़क किनारे क्षतिग्रस्त हेलमेट भी पड़ा मिला है। जिससे प्रतीक होता है कि बाइक सवार ने हेलमेट लगा रखा था।

एक नजर

चाकू व पिस्टल के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चाकू व पिस्टल के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि आईडीपीएल में स्थित एक खंडहर में कुछ संदिग्ध लोग छुपे हुए हैं। जिसके बाद पुलिस ने खंडहर पर छापा मारा तो वहां से तीन लोगों को हिरासत ले लिया। पूछताछ में उन्होने अपने नाम सेनी कुमार उर्फ सन्नी पुत्र स्व. महेन्द्र, निवासी ग्राम मनोहरपुर कालोनी, थाना हस्तिनापुर, जिला मेरठ, उत्तरप्रदेश, बताया जिसकी जामा तलाशी से इसके पैन्ट की जेब से एक फोल्डिंग चाकू बरामद हुआ। दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम पता सन्जू संजय पुत्र स्व. शोभाराम, निवासी राठोड़ा ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

जमीन के नाम पर ठगे 28 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। जमीन दिलाने के नाम पर 28 लाख 40 हजार रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपुर कलां निवासी मौहम्मद शहजाद ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने लिए भूमि की तलाश कर रहा था। जिस सम्बंध मे उसके द्वारा अपने परिचित राजेश सूजीराम यादव पुत्र अजन्ती सिंह यादव से जमीन खरीदने की बात बताई। जिस पर राजेश सूजीराम यादव द्वारा बताया गया कि वह उसको छरबा मे जमीन दिला देगा। उसकी जमीन वालो से बात चल रही है। वह उसको कुछ पैसे दे दो। जिसके विश्वास मे आकर उसके द्वारा 28 लाख 40 हजार 700 रुपये उक्त राजेश व उसकी पत्नी रश्मि को दिये गये है। जिसमे से 10 लाख 15 हजार रुपये की प्राप्ति रसीद उसके पास है और शेष धनराशि खाते के माध्यम से व ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

तोड़फोड़ की शुगबुगाहट

अभी हाल ही में हुए केदारनाथ विधानसभा चुनाव के उपचुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद सूबे के भाजपा नेताओं का मनोबल जो इससे पूर्व हुए दो सीटों के उपचुनावों के नतीजो के बाद डावांडोल सा दिख रहा था पुन: सातवें आसमान पर दिखाई दे रहा है। भाजपा के नेता मंगलौर और बद्रीनाथ की हार की हताशा को पीछे छोड़कर अब अभी से 2027 के विधानसभा चुनावों में जीत की हैट्रिक लगाने का दावा कर रहे हैं। हालांकि अभी निकाय और पंचायतों के चुनाव इससे पहले होने वाले हैं। अभी केदारनाथ के चुनाव परिणाम के बाद पूर्व सीएम हरीश रावत ने अपने एक बयान में भाजपा के योगी, धामी और मोदी के धार्मिक और जातीय (हिंदुत्व) के नैरेशन को उत्तराखंडियतके नैरेशन से तोड़ने की बात कहते हुए कहा था कि अपनी इस बात को वह उत्तराखंड के लोगों को तो समझाने में सफल रहे हैं लेकिन उनकी पार्टी के लोगों को यह समझ नहीं आ रहा है। उनके इस बयान को लेकर भाजपा नेताओं ने यह प्रचार शुरू कर दिया कि कांग्रेस 2027 के चुनावों में अभी से अपनी हार को स्वीकार कर चुकी है। अब इन भाजपा नेताओं द्वारा इससे भी आगे बढ़कर यह भी प्रचारित किया जा रहा है कि कांग्रेस के तीन बड़े नेता बहुत जल्द ही भाजपा में शामिल होने वाले हैं तथा कांग्रेस का वजूद उत्तराखंड में पूर्णतया समाप्त होने जा रहा है। भले ही भाजपा नेताओं द्वारा उन तीन नेताओं के नामों का खुलासा नहीं किया गया सही तथा कांग्रेस के नेता इसके जवाब में यह कह रहे हों कि भाजपा की राजनीति का तो आधार ही दूसरे दलों के नेताओं की तोड़फोड़ पर निर्भर है। उसके अपने बूते पर न सरकार बनाने की क्षमता है और न सरकार चलाने का कौशल। इन तमाम बातों से दो स्थितियां स्पष्ट है पहली स्थिति यह है कि भले ही कांग्रेस ने राज्य में हुए तीन उपचुनावों में आपसी मतभेदों के बीच भी एक जुट प्रदर्शन करते हुए दो सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाबी हासिल कर ली हो लेकिन कांग्रेस नेताओं के बीच अभी मतभेद और मनभेद अपने चरम पर हैं। और भाजपा इनका चुनावी लाभ उठाने में कोई कोर कसर नहीं रखना चाहती है। भाजपा नेताओं ने अभी से इसकी भूमिका बनानी शुरू कर दी है। दूसरी स्थिति यह है कि भाजपा का इतिहास रहा है कि वह कोई चुनाव अपने बूते जीतने की स्थिति में हो या न हो वह अपने विरोधी दलों में बड़ी से बड़ी सेंधमारी के जरिए उन्हें कमजोर करने के प्रयासों में कोई कमी नहीं रखती है। 2016 में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत वाली सरकार को धराशाही करने के वह प्रयास जब कांग्रेस के 10 बड़े नेता जिनमें मंत्री और पूर्व सीएम विजय बहुगुणा तक शामिल थे, से लेकर राजेंद्र भंडारी तक जो बद्रीनाथ उप चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी तक बने एक लंबी फेरहिस्त ऐसे नेताओं की है जो कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा चुके हैं। भले ही अब वह स्वयं को असहज महसूस करते हो लेकिन भाजपा के इस दावे को बेबुनियाद नहीं कहा जा सकता कि कांग्रेस के कुछ नेता भाजपा के साथ जाने वाले हैं। कांग्रेस नेता रणजीत सिंह का तो ऐसे नेताओं के बारे में यहां तक कहना है कि जो कांग्रेस में रहकर भाजपा की मदद कर रहे हैं उनका तो कांग्रेस से चले जाना ही कांग्रेस के लिए हितकर है। कुल मिलाकर यह तय है कि 2027 के चुनाव से पूर्व भाजपा कांग्रेस के कुछ नेताओं को समाहित कर कांग्रेस को और कमजोर बनाने की पूरी तैयारी कर चुकी है। कांग्रेस छोड़कर कौन जाएगा और कौन नहीं यह तो समय ही बताएगा लेकिन भाजपा ने इस खेल में पूर्व सीएम हरीश रावत को चर्चाओं के केंद्र में जरूर ला दिया है।

डेढ़ किलो चरस के साथ दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। पहाड़ो से चरस तस्करी कर ला रहे दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से 1.513 किलो चरस व तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली ज्योतिर्मठ पुलिस व एसओजी टीम को सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त हैं और रात्रि के समय आवागमन करते हैं। इस सूचना पर कोतवाली ज्योतिर्मठ और एसओजी की टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच शुरू कर दी। इस दौरान संदिग्ध वाहन बुलेट को रोका गया और उसकी तलाशी ली गई। मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति मनीष सिह राणा पुत्र सैन सिंह निवासी सलूड थाना ज्योतिर्मठ व पंकज सिह कुंवर पुत्र बलवन्त सिंह निवासी सलूड थाना ज्योतिर्मठ से इतनी रात में कहीं जाने के सम्बन्ध में पूछताछ की गई, पर वे संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इसके बाद उनके कब्जे में रखे बैग की तलाशी ली गई, जिसमें 1.513 किलोग्राम चरस बरामद हुई। जिस पर पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

प्राईमरी टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने शिक्षा अधिकारी (बेसिक) से मुलाकात की

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ/उत्तराँचल प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह रावत के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी से वार्ता हुई।

आज यहां जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) देहरादून के साथ जिला कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ शिक्षक समस्याओं के निराकरण के सन्दर्भ में एक आवश्यक बैठक का आयोजन उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ/उत्तराँचल प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन देहरादून के जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह रावत के नेतृत्व में वार्ता हुई। वार्ता में निम्नलिखित प्रमुख बिन्दुओं पर विचार विमर्श के उपरान्त सहमति और शीघ्र ही आदेश निर्गत करने हेतु पटल प्रभारियों को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया। सर्वप्रथम अनिवार्य सेवानिवृत्ति की जद में आये समस्त शिक्षकों को राहत दिए जाने की चर्चा हुई। जिस समय शिक्षक को अपने स्वास्थ्य हेतु आर्थिक

सबल की अवश्यता है, तभी शिक्षकों को बीमारी के नाम पर नौकरी से निकाल देना नैसर्गिक न्याय के विरुद्ध कृत है। वैसे भी उक्त सूची के सभी शिक्षक बीमार होने के बाद भी अनवरत शिक्षण कर के 100% परीक्षा फल देतें आयें है। शिक्षक बीमार विभाग में आने के बाद हुआ इसीलिए उसको बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए इनाम देने के बजाय नौकरी से निकलना जघन्य अपराध के समान होगा जिस कारण विवश होकर सभी शिक्षक प्रचण्ड विरोध के साथ व्यपाक आंदोलन प्राथमिक संगठन के नेतृत्व में विवश होकर किया जायेगा। वर्तमान में जितने भी पारस्परिक स्थानांतरण के आवेदन विभिन्न विकासखंडो से जनपद को प्राप्त हुए हैं उन सभी पर शीघ्र आदेश निर्गत करने की मांग जनपद संगठन के द्वारा की गयी है सहित 12 सूत्री मांग रखी। अंत में जिला शिक्षा अधिकारी प्रेम लाल भारती द्वारा उक्त समस्त मांगो पर अपनी सहमति देते शीघ्र निराकरण हेतु कुछ समय माँगा और शीघ्रता से बिंदुवार निराकरण का आश्वासन भी दिया गया है।

लघु व्यापारियों को कॉरिडोर योजना में सम्मलित किया जाना न्याय पूर्ण होगा: चोपड़ा

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय चोपडा ने कहा कि लघु व्यापारियों को कॉरिडोर योजना में सम्मलित किया जाना न्याय पूर्ण होगा।

आज यहां रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों ने कॉरिडोर योजना मे रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को सम्मलित किए जाने की मांग को लेकर प्रथम वेंडिंग जोन के प्रांगण में लघु व्यापार संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया। बैठक का संचालन जिला अध्यक्ष राजकुमार ने किया, बैठक के माध्यम से शासन प्रशासन से मांग की ध र्मानगरी हरिद्वार में कॉरिडोर योजना का सर्वे किया जा रहा है सर्वे सूची में नगर निगम प्रशासन द्वारा विकसित किए गए तीन वेंडिंग जोन ललतारो पुल रेलवे रोड के प्रथम वेंडिंग जोन, दूसरा वेंडिंग जोन सेक्टर 2 बैरियल से भगत सिंह चौक, तीसरा वेंडिंग जोन पुल जटवाड़ा की वेंडिंग जोन सहित पूर्व के सभी प्रस्तावित चयनित 15 वेंडिंग जोन को कॉरिडोर महा योजना में सम्मलित किए जाने की मांग को प्रमुखता से दोहराया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा कॉरिडोर योजना का सर्वे दिन-रात किया जा रहा है लेकिन रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को सर्वे सूची में सम्मलित नहीं किया जा रहा है जो की न्याय संगत नहीं है। उन्होंने कहा उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार नगर निगम प्रशासन द्वारा तीन वेंडिंग जोन विकसित किया जा चुके हैं अन्य 12 वेंडिंग जोन बनाए जाने प्रस्तावित है सभी चिन्हित वेंडिंग जोन को कॉरिडोर योजना में सम्मलित किया जाना अति आवश्यक है आगामी कॉरिडोर योजना में यदि रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को शामिल नहीं किया गया तो बहुत से फुटपाथ की दुकानदारों का अपने परिवार का पालन पोषण के साथ जीविका चलाना कठिन हो जाएगा नगर निगम वर्ष 2018 के पंजीकृत सभी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को कॉरिडोर योजना में योजना व तरीके से शामिल किया जाना न्याय पूर्ण होगा। इस अवसर पर सुनील कुकरेती, मोहनलाल, सुमित कुमार, कुंदन कश्यप, पंडित मनीष शर्मा, ओमप्रकाश भाटिया, लालचंद गुप्ता, भोला यादव, चंदन रावत, बालवीर गुप्ता, कैलाश चौधरी, नईम सलमानी, आजम अंसारी, तस्लीम अहमद, चुन्नू चौधरी, धर्मपाल सिंह, सुमन गुप्ता, सुनीता चौहान, मंजू पाल, पुष्पा देवी, मधु, शीला आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पुतिन ने एसएमई के विकास के लिए रूस-भारत सहयोग पर जोर दिया

संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रपति पुतिन ने भारत में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के प्रति रूस की इच्छा व्यक्त की।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 15वें वीटीबी रूस कॉलिंग इन्वेस्टमेंट फोरम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इंडिया फर्स्ट नीति और 'मेक इन इंडिया' पहल की प्रशंसा की। राष्ट्रपति पुतिन ने विकास के लिए स्थिर माहौल को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों की सराहना करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इन नीतियों ने भारत के विकास में किस तरह योगदान दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विनिर्माण को बढ़ावा देने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के उद्देश्य से शुरू की गई मेक इन इंडिया पहल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्रपति पुतिन की टिप्पणियों ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक प्रगति को चिन्हित किया। उन्होंने भारत सरकार द्वारा छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई) के लिए स्थिर स्थिति बनाने को लेकर किए गए प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई आर्थिक पहलों पर प्रकाश डाला, जिसमें मेक इन इंडिया कार्यक्रम पर विशेष ध्यान दिया गया। राष्ट्रपति पुतिन ने रूस के आयात घटाने के कार्यक्रम और भारत की मेक इन इंडिया पहल के बीच समानताएं बताते हुए भारत में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के प्रति रूस की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत में निवेश लाभदायक है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत के नेतृत्व ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने पर ध्यान केंद्रित किया है। राष्ट्रपति पुतिन ने एसएमई के विकास को समर्थन देने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच और अधि क सहयोग का भी आग्रह किया। उन्होंने सदस्य देशों को अगले साल ब्राजील में होने वाले शिखर सम्मेलन के दौरान सहयोग कायम करने की दिशा में प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। रूस द्वारा ब्रिक्स के साथ मिलकर विकसित किए जा रहे निवेश मंच के बारे में चर्चा करते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि इसमें सभी भागीदार देशों को लाभ पहुंचाने की क्षमता है और उम्मीद है कि यह हमारी अर्थव्यवस्थाओं को समर्थन देने और वैश्विक दक्षिण और पूर्व के देशों को वित्तीय संसाधन प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन बन जाएगा।

हार्ट अटैक की दोषी पाम ऑयल

रजनीश कपूर

हार्ट अटैक वाले ज्यादातर लोगों की उम्र 5० साल से कम है। यदि आप सोच रहे हैं कि इस सबके पीछे आपकी जीवन शैली है तो ऐसा सही है। परंतु आपकी जीवन शैली में ऐसी कौनसी कमी है जो हार्ट अटैक का कारण बन रही है? आपको जानकर हैरानी होगी कि इसका दोषी पाम ऑयल है।ज. साल 2०22 में भारत में पाम ऑयल की खपत आठ मिलियन मीट्रिक टन से अधिक हुई थी।

दिल-ए-नादाँ तुझे हुआ क्या है, आखरि इस दर्द की दवा क्या है। मशहूर शायर मिर्ज़ा ग़ालिब की यह गज़ल काव्यात्मक और रूपकात्मक रूप से जीवन के शाश्वत व मौलिक प्रश्न पूछती है। ग़ालिब की यह प्रसिद्ध गज़ल, वास्तविकताओं को काव्यात्मक रूप से व्यक्त करने की कुशलता का एक बेहतरीन उदाहरण है। परंतु आज हम जिस विषय को उठा रहे हैं वह इससे भी ज़्यादा गंभीर है। हृदय रोग से संबंधित बीमारियों और उनसे होने वाली जवान मौतों के बढ़ते हुए आँकड़े हम सभी के मन में कुछ अहम सवाल पैदा कर रहे हैं। कुछ लोग इसे कोविड के लंबे असर से भी जोड़ रहे हैं परंतु कोविड के अलावा भी अन्य कारण हैं जो अल्पायु में हृदय रोग को बढ़ावा दे रहे हैं।

ज़्यादातर देखा गया है कि दिल का दौरा या हार्ट अटैक 6० वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों आता है। दिल का दौरा पडने् के और कारणों में से प्रमुख है मधुमेह या शुगर के मरीज़ और ब्लड प्रेशर के मरीज़। इन मरीज़ों में हार्ट अटैक की संभावना काफ़ी अधिक होती है। इसके साथ ही धूम्रपान करने वाले व्यक्ति भी दिल के मरीज़ कब बन जाते हैं इसका पता नहीं चलता।

इसका कारण यह है कि धूम्रपान करने से दिल का दौरा पडने् की संभावना तीन गुना बढ़ जाती है। धूम्रपान करने वाले व्यक्ति को जब पता चलता है कि वो दिल का मरीज़ बन गया है तब तक काफ़ी देर हो जाती है। 4० वर्ष की आयुवर्ग के लोगों को दिल का दौरा पडना् अधिक धूम्रपान करने की वजह से होता है। साथ ही जो व्यक्ति तनाव की ज़िंदगी जीते हैं, नियमित व्यायाम नहीं करते, बेवजह और हर समय जंक फूड का सेवन करते हैं। वे भी इस जानलेवा बीमारी की चपेट में आ जाते हैं।

क्या कभी आप ने सुना है किसी हट्टे-कट्टे व्यक्ति को अचानक दिल का दौरा पड़ा और उसकी मौत हो गई? पिछले कुछ वर्षों से ऐसी तमाम खबरें सामने आ रही हैं जहां व्यक्ति अपने रोज़मर्रा के काम या आराम के समय अचानक बेहोश हो गया और उसकी मौत हो गई। मृत्यु का कारण दिल का दौरा। कुछ लोग इसे चीन से आए कोरोना के वायरस का साइड इफ़ेक्ट बता रहे हैं।

एक शोध के अनुसार अमेरिका में कोविड से ठीक हुए व्यक्तियों में 2० तरह के हृदय रोग के लक्षण पाए गए। इनमें उन लोगों के मुक़ाबले, जिन्हें कोविड नहीं हुआ, हृदय गति रुक जाने या हार्ट फेल होने की संभावना 72 फ़ीसद अधिक पाई गई। इनमें औरों के मुक़ाबले स्ट्रोक आने की संभावना भी 17 प्रतिशत अधिक पाई गई।

हाल ही में इमरजेंसी मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (ईएमआरआई) की एक रिपोर्ट सामने आई है । जिसके नतीजे कहते हैं, हार्ट अटैक वाले ज्यादातर लोगों की उम्र 5० साल से कम है। यदि आप सोच रहे हैं कि इस सबके पीछे आपकी जीवन शैली है तो ऐसा सही है। परंतु आपकी जीवन शैली में ऐसी कौनसी कमी है जो हार्ट अटैक का कारण बन रही है? आपको जानकर हैरानी होगी कि इसका दोषी पाम ऑयल है।

इतना ही नहीं यह पाम ऑयल मदिरापान और धूम्रपान से कहीं अधिक खतरनाक है। सोशल मीडिया में मुंबई के जगजीवन राम अस्पताल के डॉक्टर पी के समांतराय का एक संदेश काफ़ी चर्चा में है। वे कहते हैं कि, दुनिया में भारत पाम ऑयल का सबसे बड़ा आयातक है। हमारे देश में पाम ऑयल माफिया बहुत ताक़तवर है। इनके कारण हमारे बच्चे, जो देश का भविष्य हैं, एक बड़े ख़तरे में जी रहे हैं।

आज हमारे देश में पाम ऑयल के बिना कोई फास्ट फूड नहीं मिलता। यदि आप किराने की दुकान पर जाते हैं और पाम ऑयल के बिना बच्चों के लिए कोई खाद्य पदार्थ लेने का प्रयास करें तो आप सफल नहीं होंगे। देश में ज़्यादातर बिस्किट और चॉकलेट भी बिना पाम ऑयल के नहीं बनते।

डॉ समांतराय आगे कहते हैं कि, हमें विज्ञापनों के द्वारा यह विश्वास दिलाया जाता है कि ऐसे खाद्य पदार्थ स्वस्थ हैं । लेकिन हम जानलेवा पाम ऑयल या पामिटिक एसिड के बारे में कभी नहीं जानते थे। लेज़' जैसी बड़ी कंपनियां पश्चिमी देशों में अलग तेल बेचती हैं और भारत में पाम ऑयल का इस्तेमाल सिर्फ इसलिए करती हैं क्योंकि यह सस्ता है। जब भी हमारा बच्चा पाम ऑयल युक्त उत्पाद खाता है, तो मस्तिष्क अनुचित व्यवहार करता है और हृदय के आसपास और हृदय में वसा स्रावित करने का संकेत देता है। जिससे बहुत कम उम्र में मधुमेह हो जाता है।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने अनुमान लगाया है कि कम उम्र में मरने वाले 5० प्रतिशत लोग मधुमेह और हृदय रोग से मरेंगे। पाम ऑयल माफिया ने हमारे बच्चों को दिल की सुरक्षा करने वाले फलों और सब्जियों को छोडक़र जंक फूड का आदी बना दिया है। अगली बार जब आप अपने बच्चे के लिए कुछ खरीदें, तो उत्पाद का लेबल देखें। जिस खाद्य पदार्थ में पाम आयल हो उसे कभी न लें। साथ ही हृदय रोग विशेषज्ञों के अनुसार दिल के रोग को हल्के में न लें और दिल के प्रति सतर्क रहें।

समय समय पर होने वाले शोध भी बताते हैं कि रेडी-टू-ईट और पैकेज्ड फूड्स में अक्सर पाम ऑयल होता है। जो हमारे सेहत को कई नुकसान पहुंचा सकता है। पाम ऑयल में सैचुरेटेड फैट काफी मात्रा में पाई जाती है। यह बॉडी में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ाता है। इसके कारण दिल की बीमारियां होने का खतरा बना रहता है। साल 2०22 में भारत में पाम ऑयल की खपत आठ मिलियन मीट्रिक टन से अधिक हुई थी। यदि हमें अपने हृदय को स्वस्थ रखना है तो अपनी जीवन शैली में उचित सुधार लेन होंगे और अपने बच्चों को भी स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना होगा, वरना भारत में हृदय रोग के आँकड़े बढ़ते ही रहेंगे।

केंद्र सरकार ने 23 राज्यों में पर्यटन स्थलों के विकास के लिए स्वीकृत किए 3295 करोड़ रुपए

देहरादून (सं)। केंद्र सरकार ने पूंजीगत निवेश के लिए विशेष सहायता नामक योजना के अंतर्गत देश के 23 राज्यों के 40 विभिन्न पर्यटक स्थलों के विकास के लिए 3295 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है।

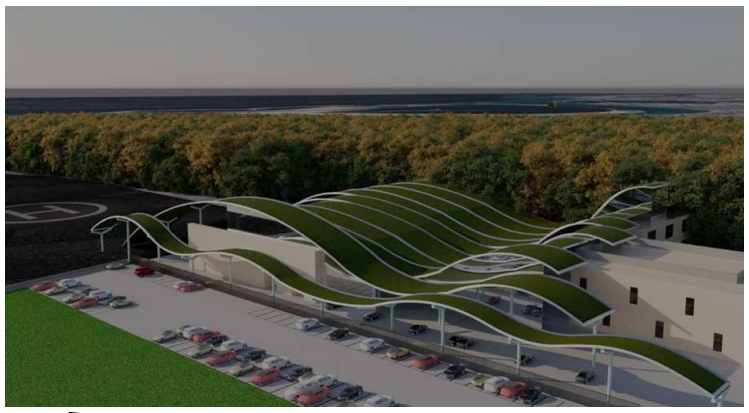

❑सौ करोड़ की लागत से बनेगा राफ्टिंग बेस स्टेशन

योग और पर्यटन नगरी ऋषिकेश को भी इस योजना का लाभ मिला है। इस योजना के अंतर्गत आइकोनिक सिटी ऋषिकेश में आधुनिक राफ्टिंग बेस स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। दरअसल राफ्टिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने वाला मौजूदा बुनियादी ढांचा अपर्याप्त है। जिससे पर्यटकों और स्थानीय लोगों को कई महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। राफ्टिंग के शुरुआती स्थलों जैसे ब्रह्मपुरी, शिवपुरी, मरीन ड्राइव और कौड़ीयाला और समापन स्थलों जैसे नीम बीच, लक्ष्मण झूला और जानकी झूला सहित यहाँ अभी राफ्टिंग रोमांच की बुकिंग के लिए एक सुव्यवस्थित प्रणाली स्थापित नहीं हो पाई है। शौचालय और कपड़े बदलने के लिए उचित स्थान की व्यवस्था जैसी सुविधाओं के अभाव के साथ-साथ सुरक्षा प्रावधानों में कमी और ऋषिकेश-तपोवन-शिवपुरी कॉरिडोर पर यातायात से होने वाली भीड़ भी अन्य मुद्दों में शामिल है।

राफ्टिंग बेस स्टेशन परियोजना का उद्देश्य ऋषिकेश के राफ्टिंग पर्यटन में बुनियाद ढांचे की चुनौतियों से निपटना और कमियों को दूर करना है। इस परियोजना का उद्देश्य अंतर राज्य बस टर्मिनल पर राफ्टिंग संचालन को केंद्रित करना और साथ ही अधिक धन खर्च करने की क्षमता वाले पर्यटकों को आकर्षित करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मानकीकृत बुकिंग प्रणाली और उन्नत सुविधाएँ प्रदान करना है।

इस परियोजना द्वारा पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए शौचालय, कपड़े बदलने के लिए उचित व्यवस्था और सड़क किनारे खानपान की छोटी दुकानों जैसी आवश्यक सुविधाओं से परिपूर्ण केंद्रीकृत राफ्टिंग बेस स्टेशन का विकास शामिल है। इसमें तपोवन क्षेत्र में भीड़-भाड़ को कम करने के लिए वैकल्पिक मार्गों का निर्माण और सुरक्षा तथा दक्षता सुनिश्चित करने के लिए आईटीसी आधारित निगरानी प्रणाली को लागू करना भी शामिल है।

इसके अलावा पर्यावरण स्थिरता को बढ़ावा देने और क्षेत्र के ईको सिस्टम को बनाए रखने के लिए एक अपशिष्ट प्रबंध न प्रणाली भी स्थापित की जाएगी। इस परियोजना के माध्यम से लगभग 1500 लोगों को नौकरियां मिलने का भी अनुमान है।

योजना के लिए जमीन राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी और इसे लागू भी राज्य सरकार ही करेगी।केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय इसकी निगरानी करेगा।योजना के लिए 66% राशि राज्यों को जारी कर दी गई है। केंद्र सरकार ने राज्यों से इस योजना के अंतर्गत विकसित हो रहे पर्यटन स्थलों के विकास के कार्यों को पूरा करने के लिए दो वर्षों की समयसीमा तय की।

ज्यादा टाइट जींस न पहनें, युवतियों को हो सकती हैं कई दिक्कतें...

आपको पता है कि टाइट जींस पहनना सेहत के लिए खतरनाक भी है। रोजाना फिटिंग जींस पहनने से आपके शरीर में धीरे-धीरे कुछ ऐसे रोग पनपते रहते हैं जिनका आपको बहुत देरी से पता चलता है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि लंबे समय तक जींस पहनने से नसों की बीमारी वैरिकोज वेन्स से लेकर ब्लड क्लॉट तक कई गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है। टाइट जींस खासकर महिलाओं के स्वास्थ्य को अधिक प्रभावित कर सकती है। दिनभर टाइट फिटिंग जींस पहनने से आपकी कमर और पैरों में ब्लड सर्कुलेशन धीमा हो सकता है। इतना ही नहीं, इससे आपकी नसों के लिए खून को हृदय और अन्य अंगों की ओर वापस पंप करना कठिन हो सकता है। ऐसा होने से आपके अंगों का बेहतर तरीके से काम करना बंद हो सकता है।

टाइट जींस पहनना शरीर के निचले हिस्से में खराब ब्लड सर्कुलेशन का मुख्य कारण है। इससे ब्लड क्लॉट का जोखिम पैदा हो सकता है। टाइट जींस की वजह से नसों पर लगातार दबाव बनता है, जिससे कमर और जांघों के आसपास दर्द होता है। यह समस्या अक्सर पैरों में झुनझुनी, जलन और बेचैनी जैसे संकेत दे सकती है। दरअसल, टाइट फिटिंग जींस आपकी त्वचा को जकड़ लेती है, जिससे उसका सांस लेना मुश्किल हो जाता है। इतना ही नहीं, जींस की वजह से मूवमेंट नहीं हो पाती है जिसका असर सीधे आपके जोड़ों पर पड़ता है। हल्के और ढीले कपड़े त्वचा के लिए हमेशा से फायदेमंद साबित हुए हैं।

कभी देखा है नीले रंग का केला, गजब है इसका स्वाद

पीला केला तो हम सभी ने देखा है लेकिन क्या आपने कभी नीला केला देखा है. आप सोच रहे होंगे भला केला भी कभी नीला होता है. जी हां, नीले रंग का भी केला होता है. इसे ब्लू जावा बनाना कहा जाता है. इसका बनावट मलाईदार होता है. ये नीले रंग का जावा मूसा बालबसियाना और मूसा एक्यूमिनता का हाइब्रिड है. ये सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है. आइए जानते हैं नीला केला कहां पाया जाता है, इससे शरीर को क्या-क्या लाभ होते हैं...

ब्लू जावा बनाना कहां उगाया जाता है

नीले जावा केले की खेती दक्षिण पूर्व एशिया में होती है. इसके अलावा हवाई द्वीपों में भी इन केलों की खेती होती है. यह ज्यादातर ठंडे प्रदेशों और कम तापमान वाली जगहों पर होता है. इस केले का टेस्ट आइसक्रीम जैसा होता है. सोशल मीडिया पर बहुत से लोग इसका टेस्ट वनिला आइसक्रीम जैसा बता रहे हैं. इसी वजह से इसे आइसक्रीम केला भी कहते हैं.

ब्लू जावा बनाना के फायदे

1. आयरन से भरपूर

ब्लू जावा बनाना में आयरन भर-भरकर पाया जाता है. इससे शरीर में एनीमिया यानी हीमोग्लोबिन की कमी से होने वाली बीमारी नहीं होती है. यह शरीर में आयरन की कमी दूर कर कई तरह से फायदे पहुंचाता है.

2. कब्ज से छुटकारा

ब्लू जावा केला पेट के लिए बेहद फायदेमंद बताया जा रहा है. इससे कब्ज, एसिडिटी जैसी समस्याएं दूर हो सकती हैं. पेट की अन्य समस्याओं में भी इस केले को उपयोगी बताया जा रहा है.

3. तनाव होगा दूर

कई रिसर्च में बताया गया है कि ब्लू जावा बनाना तनाव से राहत दिला सकता है. इसमें ऐसा प्रोटीन होता है, जो शरीर को रिलैक्स मोड में पहुंचाता है. इससे डिप्रेशन जैसी समस्याएं भी दूर हो सकती हैं. इस केले में विटामिन बी6 पाया जाता है, जो ब्लड ग्लूकोज लेवल को ठीक रखता है.

4. शरीर को ऊर्जावान बनाए

नीले केले के सेवन शरीर में खून की मात्रा बढ़ती है और ताकत मिलती है. नियमित तौर पर दूध के साथ इसे खाने से शरीर चुस्त और तंदुरुस्त बनता है. इससे कमजोरी दूर होती है और कई बीमारियों से राहत मिलती है.

5. डाइजेस्टिव सिस्टम अच्छा बनाए

ब्लू जावा बनाना में फाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो पाचन क्रिया को मजबूत बनाने का काम करता है. इससे पेट से जुड़ी कई अन्य बीमारियों से भी छुटकारा मिल सकता है.

ठंड के मौसम में संतरे खाइए और रहिए हेल्दी, बस जान लें खाने का सही समय

संतरा एक सीजनल फल है, जिसमें कई पॉष्टिक आहार होते हैं. सबसे अच्छी बात इस फल की ये है कि ज्यादा महंगा नहीं मिलता. ठंडियों में मिलने वाले इस फल को कई लोग इसलिए पसंद नहीं करते क्योंकि इस मौसम में जुकाम-खासी से परेशान होते हैं. ऐसे में लोगों को लगता है कि इसे खाने से गले से जुड़ी समस्या बढ़ सकती है. लेकिन ऐसा मानने वाले को इस बात को जानना चाहिए कि संतरे में कितने गुण होते हैं. दरअसल, सर्दियों के दौरान इम्यूनिटी काफी कम हो जाती है, जिसकी वजह से बहुत जल्दी बुखार, सर्दी, खांसी गले में गराश की परेशानी होने लगती है.

संतरे में होते हैं कई गुण

इसलिए सर्दियों के मौसम में सही डाइट लेना बहुत जरूरी है. खासतौर से इस मौसम में रोजाना मौसमी, फल और सब्जियों का सेवन करना चाहिए. मौसमी फल-सब्जियों के अपने फायदे होते हैं. शरीर को हर तरह के पौष्टिक तत्वों की जरूरत होती है.संतरा भी एक मौसमी फल और इसमें विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेट्री और एंटी वायरल गुण होते हैं. इसलिए संतरे का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक है.

रोजाना इसे खाने से इम्यूनिटी बूस्ट होती है. रिपोर्ट की माने तो संतरे और अंगूर खाने से स्ट्रोक के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है. संतरे में मौजूद प्लेवोनोइड्स दिल से जुड़ी बीमारियों से सुरक्षा करते हैं.

सर्दी से होगा बचाव

शुरुआती की सर्दियों में विटामिन सी फायदेमंद होता है. संतरे विटामिन सी से भरपूर होते हैं. इसलिए, सर्दियों में संतरे खाने से आपके इम्यूनिटी अच्छी होती है और आप सर्दी-जुकाम से बचते हैं.

वेट लॉस में मिलेगी मदद

संतरे में फाइबर की भी मात्रा होती है, कहा जाता है कि यह वजन घटाने में काफी मददगार होता है. इसे खाने पर भूख कम लगती है. संतरे में फाइबर की भी अच्छी मात्रा होती है, जिससे पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है.

संतरे में विटामिन सी होता है, जिसे स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है. रोजाना इसे खाने पर स्किन को सॉफ्ट और ग्लोइंग दिखती है. विटामिन सी के कोलजीन बढ़ता है. संतरे को आप दोपहर के 12 बजे के आसपास खा सकते हैं. शाम या फिर रात में इसे खाने से बचना चाहिए. (आरएनएस)

खाली पेट फल खाने के फायदे हैं या नुकसान? जानें सच्चाई

खाली पेट फल खाने को लेकर कई तरह की धारणाएं हैं। कुछ लोग मानते हैं कि इससे शरीर को पोषण मिलता है, जबकि कुछ लोग इसे हानिकारक मानते हैंइस लेख में हम इन धारणाओं का विश्लेषण करेंगे और जानेंगे कि खाली पेट फल खाना सही है या नहीं। हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस पर चर्चा करेंगे, ताकि आप सही निर्णय ले सकेंइसके अलावा, हम यह भी जानेंगे कि कब खाली पेट फल खाना फायदेमंद होता है।

कई लोग मानते हैं कि खाली पेट फल खाने से पाचन स्वास्थ्य बेहतर होता है। हालांकि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह पूरी तरह सही नहीं हैफलों में फाइबर और पानी की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन में मदद कर सकते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि इन्हें खाली पेट खाया जाए।अगर आप पहले से ही किसी गैस्ट्रिक समस्या से जूझ रहे हैं, तो खाली पेट फल खाना आपके लिए हानिकारक हो सकता है।

वजन घटाने के लिए कई लोग सुबह-सुबह खाली पेट फल खाते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि फलों में कैलोरी कम होती है और ये विटामिन और मिनरल का अच्छा स्रोत होते हैंहालांकि, केवल फलों पर निर्भर रहना संतुलित डाइट नहीं मानी जा सकती। वजन घटाने के लिए प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स और वसा का संतुलन भी जरूरी होता है, ताकि शरीर को सभी आवश्यक पोषक तत्व मिल सकें और ऊर्जा बनी रहे।

नींबू और संतरे जैसे खट्टे फलों को लेकर धारणा बनी हुई है कि इन्हें खाली पेट खाने से एसिडिटी बढ़ सकती हैहालांकि, यह सभी लोगों पर लागू नहीं होता। अगर आपका पाचन तंत्र मजबूत है तो आप इन्हें बिना किसी चिंता के खा सकते हैं। वहीं, जिन लोगों को एसिडिटी की समस्या है, उन्हें इनका सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे परेशानी बढ़ सकती है।अपनी शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए खाली पेट खट्टे फल खाएं। रात को सोने से पहले हल्का भोजन करना अच्छा माना जाता है, ताकि नींद अच्छी आए और पाचन भी ठीक रहेऐसे में कुछ लोग रात को सोने से पहले सिर्फ फल खाते हैं, जो एक स्वस्थ विकल्प हो सकता है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कबूतरों की बीट रसायन स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक

भगवती प्रसाद डोभाल

हाल ही में कुछ अध्ययनों से चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं, जिनमें कबूतरों से खतरे की बात बताई गई है। इनमें नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टीबी एंड रेस्पिरेटरी डिजीज के डॉ. मीत घोनिया ने बताया कि कबूतर की बीट में साल्मोनेला, ई. कोली और इंफ्लूएंजा-जैसे रोगाणु होते हैं, जिनसे अस्थमा-जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है। कहा है कि इन दिनों ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जो कबूतरों के संपर्क में रहे हैं। उसका कारण यही माना जा रहा है कि कबूतरों की बीट में जो रसायन पाया जाता है, वह स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक है।

डॉ. मीत ने बताया कि जब कबूतर एक जगह ज्यादा संख्या में होते हैं, तब उनकी बीट से क्रिप्टोकोकी जैसे फंगल बीजाणुओं के फैलने का खतरा बढ़ जाता है। यही बीजाणु हवा में अधिक मात्रा में होने के कारण व्यक्ति की सांस के माध्यम से फेफड़ों में चला जाता है। फिर सांस लेने में परेशानी हो जाती है। इस परेशानी से अस्थमा के मरीज बढ़ रहे हैं। यह एक ऐसा बीजाणु है, जो मनुष्य की जान लेने का कारण बनता है।

गंभीर बीमारी टीबी के फैलने के खतरों को देखते हुए दिल्ली नगर निगम ने प्रस्ताव रखा है कि दिल्ली में कबूतरों की बढ़ती आबादी को रोकने के लिए कबूतरों को दाना देने वालों को रोका जाए। यह भी सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि जहां-जहां दिल्ली शहर में कबूतरों को दाना डालने के स्थान लोगों ने बनाए हैं, उन्हें बंद किया जाए। एमसीडी द्वारा दाना डालने वाले स्थानों को रोकने से जनता खुश नहीं है। उसका कारण है लोगों की भावना। वे इन पक्षियों को जीवित रखना चाहते हैं। इतना ही नहीं, दाना देने वाली जगहों पर ऐसे व्यापारी भी बैठे होते हैं, जो कबूतरों के लिए दाना बिकवाते हैं; वे भी इस रोक से परेशान हैं, उनकी रोजी-रोटी पर असर पड़ रहा है। दिल्ली के कनाट प्लेस, बाराखंबा, मंडी हाउस, पटेल नगर, शंकर रोड, मंदिर मार्ग, कडक़डडूमा, करोल बाग और रोहतक रोड के कई इलाकों के चौक-चौराहों पर कबूतरों के लिए दानागाह हैं। इन स्थानों पर नागरिक दूर-दूर से कबूतरों को दाना देने आते हैं, और उनके लिए पीने के पानी का बंदोबस्त भी किया जाता है। देखा गया है कि अधिकांश पक्षियों की प्रजातियां दिल्ली से लुप्त होती जा रही हैं।

गौरया को दिल्ली राज्य के पक्षी की मान्यता दी गई थी पर आज वह खोजने पर भी नहीं मिलती; लुप्त होने का कारण दिल्ली अब उसके रहने लायक नहीं रह गई। छोटे-छोटे स्थानों और पाकरे में वह अपनी संतति बढ़ाने के लिए घोसलों का निर्माण करती थी, लेकिन अब वे स्थान उसके लिए उपयुक्त नहीं रहे। साथ ही, भीड़ भरे स्थानों में गौरया का जीना दूभर हो गया है। ऐसे ही बहुत सारी प्रजातियां दिल्ली से लुप्त हो गई हैं। अब कबूतर ही दिल्ली में सर्वाइव कर रहे हैं क्योंकि वे बड़ी-बड़ी बहुमंजिली इमारतों में अपने घोसले बनाने का प्रयास करते हैं, छिपने का स्थान ढूंढ़ कर संतति बढ़ाते हैं। इसलिए कुछ स्थानों को छोड़ कर कबूतर दिख जाते हैं। वैसे कबूतर का मनुष्य से पुराना रिश्ता भी है। पुराने जमाने में वे ही संदेशवाहक का काम करते थे। राजा-महाराजाओं के संदेशों को पहुंचाने का इतिहास कबूतरों का ही रहा है।

इससे पता चलता है कि वे अक्सर आदमियों के करीब ही रहना ज्यादा पसंद करते हैं, लेकिन आज देश की बढ़ती अबादी महानगरों में ही सिमटने को अपना भविष्य मानती है। इस कारण इको सिस्टम ही बदल रहा है। वैज्ञानिक उपलब्धि का फायदा मनुष्य तो ले रहा है पर पर्यावरण को दरकिनार कर नई-नई दुारियों को बुलावा भी दे रहा है। संतुलित विकास का समीकरण ही बदल गया है। इसके साथ ही नये-नये वायरस भी जन्म ले रहे हैं, उनकी वजह से पूरा विश्व ही परेशानियों से जूझ रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कोरोना काल है। मृत्यु का तांडव कोरोना काल में रहा। अब आप अपने आसपास के जीव-जंतुओं को ही मिटाना चाहते हैं। वैसे, शांति के प्रतीक कबूतरों से अगर वाकई मानव जीवन को खतरा है, तो इसका हल तलाशना भी वैज्ञानिकों के लिए जरूरी है।

दिल्ली के चिकित्सकों ने भी कबूतरों के आवासों को मिटाने के लिए एमसीडी की योजना को सही माना है, और कबूतरों के पोषण के स्थानों को मिटाने का बिल लाया जा रहा है, लेकिन कबूतरों को संरक्षण देने में वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 9/51 काम कर सकती है। दिल्ली के प्रशासकों और वैज्ञानिकों को ऐसे अनुसंधान की ओर बढऩा चाहिए जिसमें फंगस, साल्मोनेला ई. कोली-जो कबूतरों को हमसे दूर करता जा रहा है-को मारने के लिए दवा का ईजाद किया जाना निहायत जरूरी है, ताकि हमारा एक प्रिय पक्षी हमसे दूर न होने पाए।

शब्द सामर्थ्य -65

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

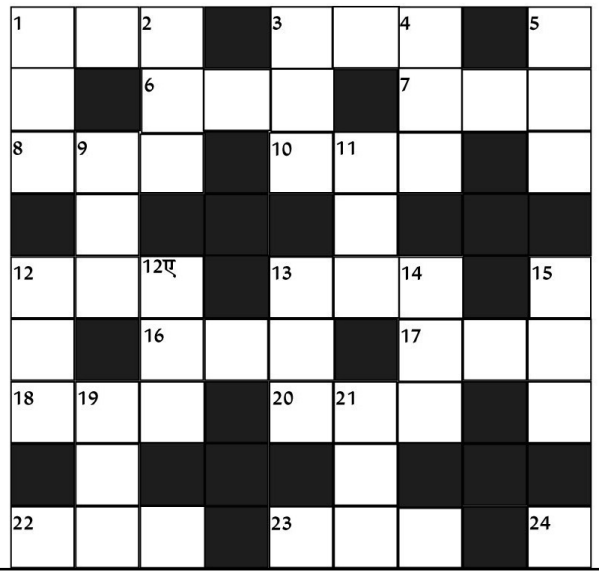

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 64 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

वरुण-कीर्ति की केमिस्ट्री के फैंस हुए दीवाने

वरुण धवन स्टारर बेबी जॉन का पहला गाना नैन मटक्का रिलीज हो गया है. इसमें वरुण और कीर्ति सुरेश की फायर एनर्जी ने फैंस का दिल जीत लिया. नैन मटक्का को थमन एस ने कंपोज किया है और इसे दिलजीत दोसांझ और धीक्षिता वेंकदेशन ने गाया है. दिलजीत दोसांझ की आवाज ने गाने में चार चांद लगा दिए हैं. जो गर बार अपने चार्टबस्टर्स और पार्टी हिट्स से दर्शकों का दिल खुश कर देते हैं.

बेबी जॉन में वरुण धवन और कीर्ति सुरेश पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं. दर्शक उनकी ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री देखने के लिए बेताब थे और अब उन्हें फाइनली इसकी झलक मिल गई है क्योंकि फिल्म बेबी जॉन का पहला गाना रिलीज हो चुका है और वरुण-कीर्ति ने इसमें धमकेदार डांस किया है. दोनों की केमिस्ट्री ऑन फायर है. इसमें दिलजीत ने अपनी आवाज का तडक़ा लगाया है.

इससे पहले फिल्म के टीजर ने दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है. बेबी जॉन के टीजर की शुरुआत एक बच्ची से होती है, जो कि वरुण धवन की है. बच्ची अपने पापा वरुण के बारे में बतलाती है और दूसरी तरफ वरुण को टीजर में एक्शन करते दिखाया गया है. वरुण धवन पूरे टीजर में एक्शन लुक में ही दिख रहे हैं और वहीं टीजर में फिल्म की हीरोइन कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी की झलक भी देखने को मिली है. दूसरी तरफ फिल्म में जैकी श्रॉफ बतौर विलेन नजर आने वाले हैं और उनका लुक भी फिल्म के बेबी जॉन के देखने की एक्साइटमेंट बढ़ा रहा है.

बेबी जॉन की स्टोरी कलीश लिखी है और उन्होंने ही फिल्म को डायरेक्ट भी किया है. यह फिल्म एटली की थेरी का ऑफिशियल हिंदी रीमेक है. साल 2016 में रिलीज हुई थेरी में थलापति विजय और सामंथा रुथ प्रभु ने अहम रोल प्ले किया था. वहीं, बेबी जॉन में वरुण धवन के साथ साउथ एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव नजर आने वाले हैं. बेबी जॉन 25 दिसंबर यानि क्रिसमस 2024 के मौके पर रिलीज होने जा रही है.

द-बंग द टूर- रिलॉडेड से धमाल मचाने को तैयार सलमान खान

सलमान खान अपने एंटरटेनिंग द-बंग द टूर- रिलॉडेड से एक बार फिर धमाका करने जा रहे हैं. सलमान खान ने हाल ही में अपने द-बंग द टूर- रिलॉडेड का एलान किया था और अब इसका एक प्रोमो सामने आया है. सलमान खान ने आज अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर द-बंग द टूर- रिलॉडेड का एक वीडियो शेयर किया है. द-बंग द टूर- रिलॉडेड दुबई के हार्बर मरीना में होगा. सलमान खान ने अपने इस टूर की एक झलक भी शेयर की है.

सलमा खान ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा है, दुबई तैयार हो जाओ द-बंग द टूर- रिलॉडेड 7 दिसंबर से आपके पास आ रहा है. बता दें, सलमान खान के साथ इस बार सोनाक्षी सिन्हा, तमन्ना भाटिया, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिज, प्रभु देवा, मनीष पॉल, सुनील ग्रोवर, जॉर्डी पटेल और सिंगर आस्था गिल भी नजर आएंगी. वहीं, सलमान खान ने द-बंग द टूर- रिलॉडेड का जो प्रोमो शेयर किया है, उसमें सलमान खान ने बिग बॉस 18 के स्टेज पर दिख रहे हैं. साथ ही सलमान खान अपने द-बंग द टूर- रिलॉडेड के बारे में जानकारी दे रहे हैं. साथ ही सलमान खान ने बताया है कि उनके द-बंग द टूर- रिलॉडेड की टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है.

बता दें, सलमान खान ने बिश्नोई गैंग से लगातार मिल रही धमकी के बीच अपने द-बंग द टूर- रिलॉडेड का एलान किया था और तब से फैंस को उनकी तारीख का इंतजार था. वहीं, सलमान खान के कड़ी सिक्योरिटी के बीच हैं और वो इन दिनों सुरक्षा के घेरे में बिग बॉस 18 को होस्ट कर रहे हैं. इसके साथ ही सलमान खान ने अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म सिकंदर से भी चर्चा में हैं और सिकंदर की शूटिंग सेट पर भी सलमान खान को टाइट सिक्योरिटी में रखा गया है. सलमान खान की फिल्म सिकंदर ईद 2025 के मौके पर रिलीज होने जा रही है.

एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने स्टाइलिश गाउन पहन इंटरनेट पर बरपाया कहर

टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन हमेशा अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका हॉट लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

अनुष्का सेन आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में लोगों के बीच अपनी अच्छी खासी पहचान बना ली है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लैक कलर का बेहद ही स्टाइलिश गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

बालों का बन बांधकर, लाइट मेकअप और गले में नेकलेस पहनकर एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

एक्ट्रेस अनुष्का सेन की इन फोटोज में आप देख सकते हैं वो अपने परफेक्ट कर्व्स फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने एक से बढक़र एक किलर पोज दे रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर दिलखोलकर लाइक करते हैं।

अनुष्का सेन जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस अपने हर अंदाज में कहर ढाती हैं।

कार्तिक आर्यन की फिल्म 400 करोड़ी क्लब में शामिल !

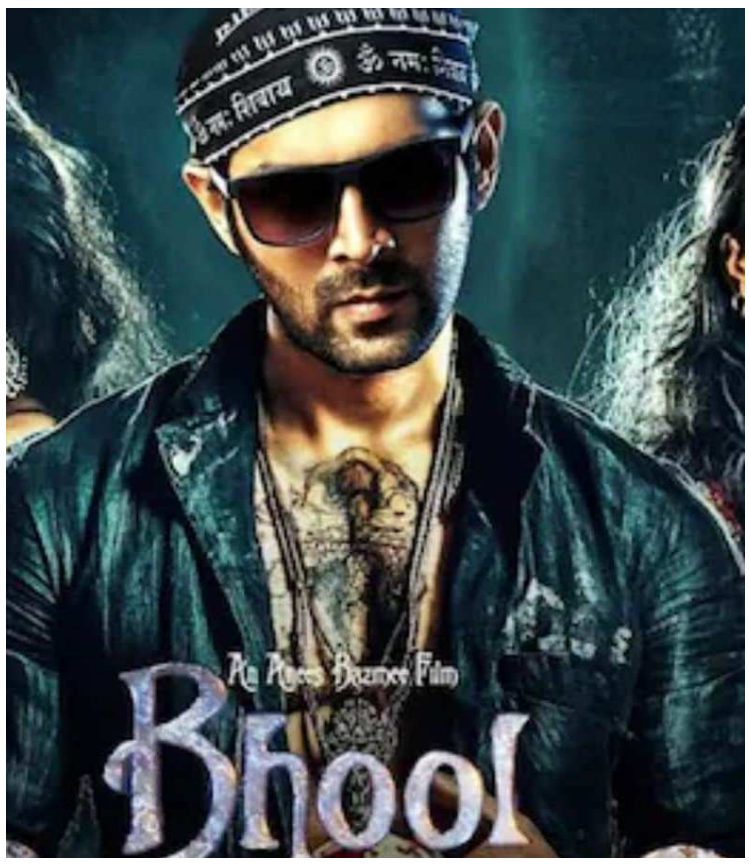

सिनेमाघरों में रूब बाबा का क्रेज अभी भी बरकरार है. कार्तिक आर्यन की हॉरर कॉमेडी ने दुनियाभर में 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. वहीं सिंघम अगेन सिनेमाघरों से उतरते नजर आ रही हैं. अजय देवगन की फिल्म चौथे सोमवार को सबसे कम कमाई की है.

1 नवंबर को दिवाली पर रिलीज हुई भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन ने बॉक्स ऑफिस पर लगातार दमदार प्रदर्शन किया है. पहले हफ्ता सिंघम अगेन के नाम रहा है. लेकिन बाद में कार्तिक आर्यन की हॉरर कॉमेडी ने अपनी रफ्तार पकड़ी और रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स को पछाडऩे में सफल रही.

अनीस बज्मी की निर्देशित हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया 3 के लिए चौथा वीकेंड शानदार रहा है. भूल भुलैया 3 ने चौथे वीकेंड में दुनियाभर में 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. इस खास पल कार्तिक आर्यन ने अपने फैंस संग साझा किया है. रूह बाबा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर भूल भुलैया 3 का वर्ल्डवाइड कलेक्शन के बारे में अपडेट शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, सब कुछ संभव है अगर दर्शक आपके साथ खड़े हों और आपकी कहानी पर विश्वास करें. थैंक्यू. 400 करोड़ पार.

भूल भूलैया 3 की इस सफलता पर सेलेब्स और फैंस उन्हें बधाइयां दे रहे हैं. भूमि पेडनेकर ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में राइडिंग हैंड इमोजी छोड़े हैं. एक फैन ने कमेंट किया है, भूल भुलैया 3 हर किसी के दिल पर राज कर रही है. एक यूजर ने लिखा है, दिल से बधाई हो रूह बाबा जी.सिंघम अगेन का क्रेज अब खत्म होता दिख रहा है. रोहित शेट्टी और अजय देवगन की जोड़ी ने बॉक्स ऑफिस पर अबतक की सबसे कम कमाई की है.

नीतिगत क्रियान्वयन से भारत में सहकारिता आंदोलन को दिया जा रहा बढ़ावा

शाजी के.वी

साझा आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए समावेशी विकास रणनीति सहकार से समृद्धि के देश में अब तक काफी कारगर नतीजे सामने आए हैं। स्वतंत्रता से पहले के दौर में अगर हम भारत में सहकारिता आंदोलन की उत्पत्ति को देखें तो पाएंगे कि इसकी शुरुआत किसानों की गरीबी कम करने की चुनौती से हुई थी, जिसका मुख्य कारण बार-बार पडने़ वाला सूखा और साहूकारों की सूदखोरी प्रवृत्ति था। एनएएफआईएस, 2021-22 के अनुसार यह काफी प्रसन्नता का विषय है कि ग्रामीण सहकारी ऋण संस्थानों के माध्यम से केंद्र सरकार की निरंतर और लक्षित वित्तीय समावेशी पहलों के कारण, ग्रामीण परिवारों की साहूकारों और जमींदारों पर निर्भरता अब घटकर मात्र 4.2 प्रतिशत रह गई है।

भारत में सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने वाली प्रारंभिक शक्तियां भले ही अब कमज़ोर पड़ रही हों, लेकिन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस समय कई नई और जटिल उभरती चुनौतियां हैं, जिनके लिए सहकारी आंदोलन को नई दिशा और उस पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सभी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित हो सके। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो सपना देखा है, उसी के अनुरूप देश 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।

इन नई चुनौतियों में किसानों की आय बढ़ाने से लेकर एक कुशल ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला हासिल करना, स्थायी आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति को कम करना, कृषि के अलावा अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना, कृषि उत्पादकता तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले प्रयासों को बढ़ाना और डिजिटल क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाना शामिल है। सहकारी संस्थाएं अपने मजबूत स्थानीय ज्ञान, पूर्व की घटनाओं से अनुभव हासिल कर भविष्य की नई योजनाएं, संपर्क कार्यक्रम बनाने तथा इन्हें मजबूत करने की क्षमता और नए कारोबारी माहौल के अनुरूप ढलने के कारण इन चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हो सकती हैं। सहकारी संस्थाओं के लिए मददगार नीतियां बनाने की दिशा में संयुक्त राष्ट्र महासभा की 'सामाजिक विकास में सहकारी समितियों पर रिपोर्ट' (जुलाई 2023) से जानकारी प्राप्त करना उपयोगी हो सकता है, जो इस बात पर ज़ोर देती है कि सहकारी समितियां बाज़ार संबंधी विफलताओं से निपटने, हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त बनाने, रोजग़ार के अवसर बढ़ाकर सतत विकास को सहारा देकर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। यह रिपोर्ट सहकारी समितियों के लिए एक उद्यमी प्रक्रियागत दृष्टिकोण की सिफारिश करती है, जो एक स्थानीय माहौल में आपस में जुड़े हुए नेटवर्क के माध्यम से सभी हिस्सेदारों को जोड़ती है।

भारत के सहकारी क्षेत्र में दूध और चीनी के क्षेत्रों में मिली अपार सफलता केवल एकीकृत दृष्टिकोण के महत्व को ही प्रमाणित करती है। इसका एक और अन्य सफल उदाहरण भारत की सबसे पुरानी श्रमिक सहकारी संस्था - उरालुंगल लेबर कॉन्ट्रैक्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी का है, जो बुनियादी ढाँचे से जुड़ी है और इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर रही है। यह वैकल्पिक उद्यमशीलता मॉडल का एक अनूठा उदाहरण है। यहां सहकारिता के दो विशिष्ट पहलुओं का उल्लेख करना आवश्यक है- पहला, सहकारी समितियों के बीच सहयोग का महत्व - जब उरालुंगल को एक सडक़ परियोजना हेतु लिए गए भारी कर्ज की किश्तें चुकानी थीं, तो उसने 38 प्राथमिक सहकारी समितियों का एक संघ बनाया और उनकी मदद से यह भारी राशि जुटा सकी, जिससे उसकी साख भी बनी रही और साथ ही उसका विस्तार भी हुआ; दूसरा, निजी फर्मों के विपरीत, संकट की स्थिति में एक श्रमिक सहकारी समिति द्वारा रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

अमित शाह के शानदार नेतृत्व में भारत सरकार में एक नए सहकारिता मंत्रालय के गठन के परिणामस्वरूप सहकारी समितियों के लिए भारत में हाल की नीतियों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उभरती चुनौतियों की व्यापक और जटिल प्रकृति को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। इस तरह के कुछ बड़े प्रयासों में कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) का गठन, इसे कंप्यूटरीकृत करना, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का गठन और पैक्स के लिए खुदरा पेट्रोल/डीजल आउटलेट/एलपीजी वितरण अधिकार; सहकारी क्षेत्र में गोदामों का व्यापक नेटवर्क; मत्स्य किसान उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) का गठन; शामिल नहीं की गई पंचायतों में नए बहुउद्देशीय पैक्स/डेयरी/मत्स्य सहकारी समितियां और पैक्स के लिए मॉडल उप-नियम शामिल हैं।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), सहकारी समितियों के लिए अपने बहुस्तरीय और गतिशील रूप से उत्तरदायी सहयोगात्मक ढांचे के साथ, मंत्रालय के मार्गदर्शन में, सतत प्रक्रिया के रूप में नीति क्रियान्वयन से जुड़े लोगों को सक्षम बनाता है जिसमें (अ) ग्रामीण सहकारी बैंकों को पुनर्वित्तपोषण का प्रावधान, कृषि, संबद्ध क्षेत्रों और ग्रामीण गैर-कृषि गतिविधियों के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऋण देने के लिए उनके संसाधनों में पूर्ति करना; (ब) सहकारी विकास निधि के माध्यम से विकासात्मक समर्थन और वित्तीय समावेशन निधि के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना; (स) नीति और कार्यान्वयन समर्थन, जैसे पैक्स का कम्प्यूटरीकरण और 300 से अधिक ई-सेवाएं प्रदान करने वाले सामान्य सेवा केंद्रों के रूप में पैक्स का कार्यान्वयन, और (द) वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए पर्यवेक्षण जैसे प्रयास शामिल हैं।

नाबार्ड सहकारी समितियों को एक-दूसरे के तुलनात्मक लाभों से लाभान्वित करने की सुविधा प्रदान कर इस आंदोलन को मजबूत करने के लिए सहकारी समितियों के बीच सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। इस पहल में वित्तीय पक्ष से जुड़ा एक महत्वपूर्ण बिंदु- सहकारी समितियों और उनके सदस्यों के मौजूदा बैंक खातों को विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों में समेकित करना और उन्हें एक केंद्रीकृत जिला/राज्य सहकारी के तहत रखना होगा, जिससे सहकारी प्रणाली के संसाधन प्रणाली के भीतर ही बने रहेंगे।

भविष्य में कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में नीतिगत तौर पर ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है। हाल के वर्षों में टमाटर, आलू और प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण दुग्ध क्षेत्र की तर्ज पर इन तीनों वस्तुओं के लिए अधिक से अधिक किसान उत्पादक संगठनों का गठन और एक एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला मदद कर सकती है। आंतरिक तौर पर पूंजी निर्माण या सहकारी समितियों की आय को उनके भीतर ही बनाए रखना इन समितियों के विस्तार और आधुनिकीकरण की योजना बनाने में मददगार साबित हो सकता है। यह उत्पादकता और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों के बढ़ते महत्व को देखते हुए उपयोगी होगा। उपलब्ध कृषि योग्य भूमि के पीढ़ी दर पीढी बंटवारे को देखते हुए बागवानी फसलों की बिक्री से होने वाले लाभों के मद्देनजर विशेष रूप से बहु-राज्य सहकारी समितियों को उत्पादकों का एक व्यापक नेटवर्क बनाने की आवश्यकता हो सकती है। यह लागत को कम करने और उनकी मोलभाव करने की क्षमता में सुधार करने में मदद कर सकता है। भूमि स्वामित्व पर किसी भी जोखिम के बिना सहकारी समितियों द्वारा बड़े पैमाने पर भूमि पूलिंग जैसे क्षेत्रों पर ध्यान दे सकती है।

WTO के अनुरूप प्रसंस्कृत उत्पाद एक मजबूत कृषि-निर्यात उत्पाद क्षेत्र बनाने में मदद करने, तकनीक अपनाने, अधिक पारदर्शिता के साथ व्यापार करने में आसानी; प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता निर्माण और उद्यमी कारोबारी तंत्र के विभिन्न हिस्सों के रूप में कृषि स्टार्ट-अप के साथ अंतर्संबंधों को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता होगी। वित्तीय संसाधनों तक पहुंच को उत्कृष्टता संबंधी प्रदर्शन से जोड़ा जाना चाहिए, जिसके लिए संसाधनों और उत्कृष्टता परिणामों के अंतिम उपयोग की जानकारी के साथ एक मजबूत डेटा बेस विकसित करने की आवश्यकता होगी। ऋण क्षमता के आकलन के आधार पर कृषि ऋण के लिए वर्तमान आपूर्ति-आधारित दृष्टिकोण को धीरे-धीरे अंतिम उपयोग और परिणामों से संबंद्ध प्रतिबद्धताओं के आधार पर ऋण की प्रभावी मांग द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

सहकारी समितियों को नए उभरते नवप्रवर्तकों या नए कारोबारी विचारों की पहचान करने और उन्हें आगे बढ़ाने, वित्तीय और अतिरिक्त सहायताएं देने के लिए एक प्रणाली स्थापित करने की आवश्यकता भी हो सकती है। नीतिगत पोषण से प्रेरित एक पुनर्जीवित सहकारी आंदोलन देश में अधिक समावेशी ग्रामीण आर्थिक समृद्धि का अग्रदूत हो सकता है।

लेखक अध्यक्ष, नाबार्ड हैं

सू- दोकू क्र. 65

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.64 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

अराजकता फैलाने की बातें मतदाताओं को पसंद नही

राघवेन्द्र सिंह

आज़ाद भारत के इतिहास में तेईस नबंवर की तारीख़ कई मायने में बेहद अहम है। कल तक जिस भाजपा के खिलाफ राजनीतिक दलों और उनके रहनुमाओं ने मुसलमानों को जो डर दिखा कर एकजुट रक्खा था उसी फार्मूले से भाजपा ने बहुसंख्यक हिंदुओं को अपने हक़ में खड़ा करने का करिश्मा कर डाला है।'बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे 'ज् इस के साथ ही वक़्फ़ बोर्ड के असीमित अधिकारों को लेकर जेपीसी की बैठकों में जिस तरह के विवाद और एक किसिम की हुल्लड़बाजी की खबरें और बयानबाजी हुई उसने भाजपा की राह महाराष्ट्र में आसान कर दी। आगे इस मुद्दे पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के व्यवहार पर देश के जनमानस की पैनी नजऱ रहेगी।

बहरहाल बहुसंख्यक वर्ग को भाजपा से अधिक विपक्ष के रवैए ने यह समझाने में सहयोग किया कि अल्पसंख्यक की भाँति एक नहीं हुए तो तुम्हारे हितों को काट कर उनको दिया जाएगा जो एकमुश्त वोट करते हैं। विपक्ष ने संतुलन की रणनीति पर काम नही किया तो महाराष्ट्र जैसे नतीजे आगे भी आते रहेंगे । इसे लेकर भाजपा मारे खुशी के फूल कर कुप्पा हुई जा रही है।

नतीजतन महाराष्ट्र सरीखे अहम सूबे में कांग्रेस की लीडरशिप में चुनाव लड़ रही महा आगाड़ी विकास पार्टी की धोबी घाट वाली धुलाई हो गई। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस से अलग होकर एनसीपी बनाने मराठा सरदार शरद पवार और पूर्व सीएम उद्दव ठाकरे का कांग्रेस के माईबाप राहुल गांधी जी का विधानसभा चुनाव के नतीजों ने बैण्ड बाजा जुलूस निकाल दिया है। दो सौ अठ्ठासी सीटों वाले महाराष्ट्र में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने दो सो तीस विधायकों की जीत के साथ जो धमाका किया उसकी गूंज देर तक और बहुत दूर तक सुनाई देगी । लेकिन दूसरी तरफ़ झारखंड राज्य ने हेमंत सोरेन वाले इंडी ब्लाक को एक तरफा बहुमत देकर विपक्ष के दिए की लौ को भी ठंडी नही होने दिया ।

इसलिए देश के चतुर सुजान मतदाताओं को साष्टांग दण्डवत प्रणामज्क्योंकि वह लोकसभा चुनाव में दो सौ चालीस सीट पर भाजपा के अश्वमेघ यज्ञ को रोक कर नियंत्रित और नियोजित होने का निर्देश देता है तो दो सौ बहत्तर के स्थान पर केवल निन्यानवे सीटें जिताकर क़ायदे में रहने की नसीहत देता है । इसके बाद भी जब एनडीए के बहुमत वाली मोदी सरकार गिराने की धमकी देकर बांग्लादेश जैसी अराजकता फैलाने की बातें करने वाली कांग्रेस और उनके साथियों का कई राज्यों में बोरिया बिस्तर बांध कर साफ़ कर दिया है कि मतदाताओं को यह पसंद नही है।

खैर , राज्यों के चुनावी नतीजों पर आते हैं-महाराष्ट्र में अट्ठत्तर विधायकों वाला जो अगाड़ी गठबंधन फिर से सरकार बनाने का दावा कर रहा था उसके मात्र अड़तालीस प्रत्याशी ही विधायक बन पाए ।

मीडिया कर्मियों से अभद्रता के मामले में माहरा ने खेद जताया

विशेष संवाददाता

देहरादून। बीते कल पुलिस लाइन में कांग्रेस नेताओं और पत्रकारों के बीच हुई तकरार के मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा खेद व्यक्त किया है। उनका कहना है कि जो कुछ भी हुआ वह पुलिस की गलती के कारण हुआ है।

उल्लेखनीय है कल राजधानी में कांग्रेसियों द्वारा आयोजित एक विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम के दौरान पुलिस द्वारा सांकेतिक रूप से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा सहित तमाम अन्य नेताओं व कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर पुलिस लाइन ले जाया गया था। करन माहरा का कहना है कि पुलिस द्वारा उन्हें यह जानकारी नहीं दी गई थी कि यहां पत्रकारों का कोई मैच चल रहा है। वहीं पत्रकारों को भी इस बात की गलतफहमी हो गई कि कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता उनके मैच में खलल डालने या विरोध प्रदर्शन करने आए हैं।

❑पुलिस की गलती की वजह से हुआ सब कुछ

उनका कहना है कि पत्रकार और कांग्रेसियों के बीच इसे लेकर जो भी तकरार हुई वह एक गलत फहमी व पुलिस द्वारा सही जानकारी न दिए जाने के कारण हुई। उन्होंने कहा कि वह हमेशा पत्रकारों का सम्मान करते हैं। तथा कल जो कुछ भी हुआ उस पर खेद व्यक्त करते हैं। उनका कहना है कि पत्रकारों के साथ उनका कोई विवाद नहीं है न ही ऐसा कुछ हुआ है जैसा भाजपा के नेताओं द्वारा इसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला बताकर प्रचारित किया जा रहा है।

उधर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का कहना है कि केदारनाथ की हार के बाद कांग्रेस के नेता बौखलाहट में अब लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर भी हमला कर रहे हैं हम इसकी घोर निंदा करते हैं।

चाकू व पिस्टल के साथ तीन गिरफ्तार... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

खुर्द, थाना हस्तिनापुर, जिला मेरठ, उत्तरप्रदेश, बताया जिसकी तलाशी से इसके कन्धे पर टंगे नीले रंग के पिटठू बैग को खोलने पर इसके अन्दर से एक पिस्टल 32 बोर व इसके अन्दर दो कारतूस बरामद हुए इसकी पहनी लोअर की जेब से 500 रूपये व एक चाबी बरामद हुए। तीसरे व्यक्ति ने अपना नाम विकास उर्फ विक्की पुत्र मनफूल सिंह निवासी मनोहरपुर कालोनी, थाना हस्तिनापुर, जिला मेरठ बताया। जिसकी जामा तलाशी से इसके पैन्ट की जेब से एक फोल्डिंग चाकू बरामद हुआ।

पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जमीन के नाम पर ठगे 28 लाख रुपये... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

नगद दिये गये है। उसके बाद से ही राजेश सूजीराम यादव का फोन व उसकी पत्नी रश्मी का फोन बन्द आ रहे है। महोदय अजन्ती सिंह यादव व उसकी पत्नी रश्मी की उससे करीब 2-3 वर्षों से जान पहचान थी। इसी विश्वास मे उसके द्वारा उन्हे करीब 28 लाख 40 हजार 700 रुपये दे दिये गये। उन्होने उसके साथ विश्वाशघात कर उसके रुपये हडप लिए है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

State of Uttarakhand, Department of Home

Ref No. 31/2024/SFJ/DHC Date: 06/11/2024

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to the general public that the Unlawful Activities (Prevention) Tribunal presided over by Hon'ble Mr. Justice Anoop Kumar Mendiratta, Judge, Delhi High Court, will hold sitting at Court Building, State Information Commission, Uttarakhand, Dehradun, Uttarakhand on 05th & 06th December, 2024 at 10.30 A.M. onwards for the purpose of recording evidence.

All those, who are interested in giving evidence, may file their affidavits (in duplicate) with the undersigned and shall remain present in person on the above date for their cross examination, if any, before the Hon'ble Tribunal.

Venue: Court Building, State Information Commission, Dehradun, Uttarakhand.

Jitendra Pratap Singh,
(Delhi Higher Judicial Service) Registrar,
Unlawful Activities (Prevention) Tribunal

दुपहिया वाहन चोरी का खुलासा, बाल अपचारी सहित दो दबोचे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दुपहिया वाहन चोरी मामलों का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक बाल अपचारी सहित दो लोगों को पकड़ लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी चार मोटरसाइकलें बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते एक दिसम्बर को राजकुमार निवासी ग्राम माजरी थाना पिरान कलियर जिला हरिद्वार की मोटर साईकिल चोरी होने का मुकदमा कोतवाली गंगनहर में दर्ज किया गया था। वहीं तीन दिसम्बर को अहसान पुत्र सोमीन निवासी हसन कालोनी रामपुर रूड़की थाना गंगनहर, हरिद्वार की मोटर साईकिल स्पलेण्डर प्लस चोरी होने पर कोतवाली गंगनहर पर मुकदमा दर्ज किया गया। वहीं तीन दिसम्बर को ही अजीत कुमार पुत्र राधेश्याम निवासी अकोढ़ा कला थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार की मोटर साईकिल हीरो चोरी होने के सम्बन्ध में कोतवाली गंगनहर पर मुकदमा दर्ज किया गया।

चार दिसम्बर को इसरार अली पुत्र अब्बास निवासी इमली रोड़ महिग्रान कोतवाली रूडकी जनपद हरिद्वार की मोटर साईकिल चोरी होने के सम्बन्ध कोतवाली गंगनहर में मुकदमा दर्ज किया गया। सिलसिलेवार चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने ताबड़तोड़

❑चुरायी गयी चार मोटरसाइकलें बरामद

जांच शुरू कर दी। लगातार ग्राउण्ड जीरो पर मेहनत करते हुए पुलिस ने बीती शाम एक सूचना के बाद चैकिंग के दौरान जगपाल उर्फ जग्गू नामक संदिग्ध युवक को मंगल विहार कॉलोनी सुनहरा रोड़ रूड़की से चोरी हुई एक मोटर साईकिल के साथ दबोचा। सख्ती से पूछताछ करने पर जानकारी मिली कि उसका एक साथी चोरी की मोटर साईकिल लेकर पीछे से आ रहा है। तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम द्वारा नाबालिक प्रतीत हो रहे संदिग्ध को संरक्षण में लेकर सलेमपुर राजपुताना रूड़की से चोरी की गई मोटर साईकिल बरामद की। पकड़े गए दोनों संदिग्ध से पूछताछ एवं उनकी निशांदेही पर पुलिस टीम ने रामपुर व बीएसएम तिराहे के आस पास से भी चोरी की गई दो अन्य मोटर साईकिल को आम के बाग से बरामद किया। बरामदगी के आधार पर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

बालिका इंटर कालेज में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। राजकीय बालिका इंटर कालेज में मोबाइल बैंक के माध्यम से विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया। आज यहां पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज राजपुर रोड में मोबाइल बैंक के माध्यम से विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अंबर कोटनाला, नूपुर मित्तल, उमेश्वर रावत, निधि कुकरेती एवं हरीश कुमार शामिल हुए । श्रीमती सुबोधिनी जोशी प्रभारी प्रधानाचार्य ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय की कक्षा 9 से 12 तक की 300 छात्राओं ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मातृ पितृ विहीन बच्चों के स्कॉलरशिप के बारे में, पोश एवं पोस्को एक्ट और विकलांग बच्चों के लिए लीगल सर्विस यूनिट फॉर चिल्ड्रन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में विधि क प्रभारी शिवानी कोहली एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी कविता रूहेला भी उपस्थित रही।

गुमशुदा महिला को ऑपरेशन स्माइल टीम ने किया सकुशल बरामद

हमारे संवाददाता

पौड़ी। घर में बिना बताये हुई गुमशुदा महिला को आप्रेशन स्माइल टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद उसे हरिद्वार से बरामद कर लिया गया है। जिसे उसके परिजनों की सुपुर्दगी मे दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते 30 अक्टूबर को कोटद्वार निवासी एक व्यक्ति द्वारा कोतवाली कोटद्वार पर सूचना दी कि मेरी पत्नी आज सुबह घर में बिना बताए कहीं चली गई है, जिसे हमारे द्वारा काफी तलाश किया लेकिन अभी तक उसका कुछ पता नहीं चल पाया है।

इस सूचना पर कोतवाली कोटद्वार पर गुमशुदगी दर्ज की गयी। मामले मे कोटद्वार पुलिस व ऑपरेशन स्माइल टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए कड़ी मशक्कत के बाद गुमशुदा महिला को हरिद्वार से सकुशल बरामद कर न्यायालय कोटद्वार में बयान अंकित कराए गए साथ ही महिला की एएचटीयू कार्यालय में परिजनों के साथ काउंसलिंग की गई जिसमें गुमशुदा महिला द्वारा अपने घर अपनी माता के साथ जाने की इच्छा जाहिर की गई। काउंसलिंग के बाद महिला को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। परिजनों द्वारा पौड़ी पुलिस व ऑपरेशन स्माइल टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

एसपी उत्तरकाशी ने किया सीमांत क्षेत्र हर्षिल का दौरा

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सरिता डोबाल द्वारा सीमान्त क्षेत्र हर्षिल का भ्रमण कर क्षेत्र की कानून, सुरक्षा एवं यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान उनके द्वारा थाना हर्षिल, चौकी भटवाड़ी एवं सीजनल चौकियों का औचक निरीक्षण किया गया व थाने पर उपस्थित कर्मियों से उनकी व्यक्तिगत एवं विभागीय समस्याएं पूछी गयी।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती सरिता डोबाल द्वारा गंगोत्री धाम यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण करते हुये आगामी चारधाम यात्रा-2025 के मद्देनजर सभी

●आगामी चारधाम यात्रा एवं सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

को अभी से तैयारी एवं कार्य योजनायें बनाने के निर्देश दिये गये, यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं को दुरस्थ करने हेतु सम्बन्धित विभागों से समन्वय स्थापित करने तथा संवेदनशील एवं डेंजर जोन की सूची बनाकर वहां पर सुरक्षा के यथासंभव विकल्प तैयार करने के निर्देश दिये गये। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु निरीक्षक यातायात को स्थान चिन्हित कर साईन/चेतावनी बोर्ड, रिप्लेक्टर, ब्लिंकर लाईट, कॉन्वैंस मिरर, क्रैश बैरियर आदि समुचित उपाय समय से करने के निर्देश दिये गये। इस दौरान उनके साथ निरीक्षक यातायात राजेन्द्र नाथ, प्रभारी निरीक्षक मनेरी मनोज असवाल, प्रभारी हर्षिल अ.उ.नि. सुनील तोमर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एक नजर

जानलेवा हमले के अगले दिन गुरुद्वारे में जूठे बर्तन धोते हुए नजर आए बादल

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के नेता और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने गुरुवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पंजाब के तख्त श्री केसगढ़ साहिब,आनंदपुर साहिब में सेवादारी की। इस दौरान बादल गुरुद्वारे में जूठे बर्तन धोते हुए नजर आए। इससे पहले बुधवार को उन पर दुस्साहिक हमला किया गया और पूरी घटना कैमरे में दर्ज हो गई। यह हमला सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुआ।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) के कार्यबल के सदस्यों के साथ मौके पर मौजूद अन्य सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की और चौरा से हथियार छीन लिया। बादल की धार्मिक सजा का तीसरा दिन है। सुखबीर बादल पर कल हुए हमले के बाद गुरुद्वारे में बड़ी संख्या में सुरक्षा तैनात की गई है और गुरुद्वारे के मुख्य प्रवेश द्वार पर सीसीटीवी और मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं। बादल के साथ अन्य अकाली नेताओं ने भी यहां सेवा की। सुखबीर सिंह बादल को अगस्त में अकाल तख्त द्वारा तनखैया घोषित किया गया था, जब उन्हें 2007 से 2017 तक पंजाब में सत्ता में रहने के दौरान पार्टी द्वारा की गई गलतियों के लिए धार्मिक कदाचार का दोषी ठहराया गया था। इनमें गुरमीत राम रहीम को बेअदबी के मामलों में माफी देना भी शामिल था, जिसके कारण पंजाब के कुछ हिस्सों में डेरा अनुयायियों और सिखों के बीच झड़पें हुई थी।

एकनाथ शिंदे का युग खत्मः संजय राउत

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे जारी होने के बाद से जारी राजनीतिक अस्थिरता के बीच आज देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। इस बीच शिवसेना नेता संजय राउत ने एकनाथ शिंदे को लेकर बयान दिया है। राउत ने कहा कि एकनाथ शिंदे का युग खत्म हो गया है। उनका युग दो साल का ही था। उनकी जरूरत थी, अब पूरी हो गई है। अब उनको फेंक दिया गया है। अब शिंदे इस राज्य में कभी मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। ये लोग शिंदे की पार्टी भी तोड़ सकते हैं। संजय राउत ने कहा कि ये बीजेपी की हमेशा से स्ट्रैटेजी रही है कि वे जिनके साथ काम करते हैं, उनकी पार्टी तोड़ देते हैं। आज से देवेंद्र फडणवीस इस राज्य के मुख्यमंत्री होंगे। उनके पास बहुमत है। बहुमत होने के बावजूद ये 15 दिन तक सरकार नहीं बना पा रहे। इसका मतलब है कि पार्टी के अंदर या महायुति में कुछ न कुछ गड़बड़ है और कल से ये गड़बड़ आपको दिखने लगेगी। ये महाराष्ट्र या देशहित के लिए काम नहीं कर रहे। ये अपने स्वार्थ के लिए एक साथ आए हैं। चुनाव नतीजे आने के लगभग डेढ़ हफ्ते तक मुख्यमंत्री पद को लेकर सस्पेंस बना रहा। बताया जा रहा था कि एकनाथ शिंदे दोबारा मुख्यमंत्री बनना चाहते थे। हालांकि, महायुति की सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते बीजेपी अपना मुख्यमंत्री चाहती थी। हुआ भी ऐसा ही। आखिरकार बुधवार को देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री चुन लिया गया।

आप में शामिल हुए दिल्ली के 'एंबुलेंस मैन' जितेंद्र सिंह शंटी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) के पूर्व विधायक जितेन्द्र सिंह शंटी ने आज आम आदमी पार्टी (आप) का दामन थाम लिया। बता दें कि शंटी शंटी पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। वे 2013 में भाजपा के टिकट पर दिल्ली के शाहदरा से विधायक चुने गए थे। दरअसल, जितेंद्र सिंह शंटी को कोविड काल एम्बुलेंस मैन के नाम से जाना जाता था। आप की सदस्यता लेने के बाद शंटी ने कहा,श्मैं तीन बार विधायक रह चुका हूं, लेकिन मैं राजनीति से दूर हो गया था। कोविड के दिनों में मैंने लोगों के लिए काम किया। जब मैं लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कर रहा था, तब अरविंद केजरीवाल ने मुझे साथ काम करने के लिए बुलाया था। मैं और अरविंद केजरीवाल दोनों ही भगत सिंह के अनुयायी हैं। जितेंद्र सिंह शंटी ने बताया कि अरविंद केजरीवाल ने उन्हें बुलाया और कहा,हम चिकित्सा सेवाओं के माध्यम से असहायों की मदद करते हैं और आप लोगों की मौत के बाद असहायों के लिए काम करते हैं। बता दें कि एक दिन पहले ही बीजेपी को आप ने एक और झटका दिया था। 4 दिसंबर को बीजेपी नेता प्रवेश रतन आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए थे। उन्होंने 2020 में बीजेपी के टिकट पर रिजर्व सीट पटेल नगर से चुनाव लड़ा था। हालांकि उन्हें आप के राजकुमार आनंद से हार का सामना करना पड़ा था।

मार्च तक निर्बल वर्ग के लिए तैयार होंगे 16 हजार किफायती घर

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि सरकार निर्बल आय वर्ग वाले परिवारों के लिए करीब 16 हजार किफायती घरों का निर्माण कर रही हैं।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि सर के ऊपर पक्की छत का सपना, हर कोई देखता है। पर जमीन से लेकेर निर्माण की लागत के कारण लाखों लोग इस सपने को पूरा करने से वंचित रह जाते हैं। उत्तराखंड आवास विकास परिषद और एमडीडीए इसी क्रम में निर्बल आय वर्ग वाले परिवारों के लिए करीब 16 हजार किफायती घरों का निर्माण कर रहे हैं। उत्तराखंड आवास विकास परिषद राज्य बनने के बाद पहली बार अपनी आवासीय परियोजनाओं पर काम कर रहा है। परिषद 15 परियोजनाएं निजी निवेशकों के साथ तैयार कर रहा है, जिसमें कुल 12,856 आवास शामिल हैं। जबकि शेष पांच संबंधित विकास

प्राधिकरणों द्वारा विकसित की जा रही हैं, प्राधिकरणों के जरिए कुल 3104 आवास तैयार किया जा रहे हैं। अपर आयुक्त आवास पीसी दुम्का के मुताबिक अब तक निजी भागीदारी के साथ 1760 घर बनाते हुए लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं, जबकि 14635 आवासों का आबंटन भी किया जा चुका है। शेष सभी परियोजनाओं को मार्च 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत निजी निवेशक छह लाख रुपए की लागत से दो कमरे, किचन और शौचालय जैसी सुविधाओं से युक्त घर तैयार करता है, जिसमें से उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से साढ़े तीन लाख रुपए मिलते हैं, इस तरह लाभार्थी को महज ढाई लाख रुपए की लागत में आसान होम लोन के जरिए घर मिल जाता है। इसमें जमीन सहित निर्माण का समस्त खर्च निजी निवेशक द्वारा उठाया जाता है। योजना के तहत तीन लाख रुपए से कम सालाना आय वर्ग वाले आवासहीन परिवार पात्र होते हैं। साथ ही पात्र परिवार का 15 जून 2015 से पहले उत्तराखंड का निवासी होना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ट्रांसपोर्ट नगर में 224 , तरला आमवाला में 240 फ्लैट वाली परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि धौलास में 240 फ्लैट मार्च 2025 तक तैयार हो जाएंगे। एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी के मुताबिक परियोजना के लिए लाभार्थियों का चयन पारदर्शिता के साथ किया गया है। तय समय में सभी को फ्लैट की चाबी सौंप दी जाएगी।

दम्पत्ति को मारपीट कर किया घायल

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर दम्पत्ति को घायल करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टर्नर रोड निवासी रजनी शर्मा ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पडोस में विनोद कुमार जो कि कैंट बोर्ड से सेवानिवृत है इनका उनके पडोस में निर्माणाधीन मकान का कार्य चल रहा है जिसमे कि रास्ते व खिडकी को लेकर जो कि बिना नक्शा पास कराये उनकी ओर बना रहा है विवाद चल रहा है जो कि वर्तमान समय में न्यायलय व कैण्ट बोर्ड क्लेमेन्टाउन में विचाराधीन है। आज समय लगभग 9 बजे प्रातः विनोद कुमार पुत्र काशीराम, वैभव पुत्र विनोद कुमार, बबीता पुत्री विनोद कुमार इनका साला कमल पुत्र साधुराम व अजय पुत्र साधुराम जो कि झगडे कि नियत से उसके पति के साथ घर के बाहर आकर गाली गलौच करने लगे इसी बीच उसने शोर शराबा सुनकर बीच बचाव करने लगी तो बैभव पुत्र विनोद कुमार नें उसके ऊपर लोहे के पाइप से हमला कर दिया जिससे कि वह मोके पर ही लहुलुहान हालत में नीचे गिर गयी यही नही इन सभी ब्यक्तियो नें उसको जमीन पर भी लात घूसो से भी मारा और में छटपटाती रही व गाली देकर धमकी देने लगे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दस लाख की चरस सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। भारी मात्रा में चरस तस्करी कर ला रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से पांच किलो से अधिक चरस बरामद की गयी है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम एसओजी बागेश्वर व एएनटीएफ टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर भारी मात्रा मे चरस की बड़ी खेप सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी व एएनटीएफ टीम द्वारा बताये गये स्थान कपकोट क्षेत्रांर्तगत खाईबगड़ नई पुल से तिमलाबगड कर्मी रोड पर चैकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। टीम ने

चरस के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर थाना पुलिस ने आईटी पार्क के पास दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया।

पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से एक किलो 16 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम जसवीर सिंह पुत्र तिलक सिंह निवासी लोवर तुनवाला व प्रेमलाल निवासी मोरी उत्तरकाशी बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 5.072 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपन नाम मदन सिंह पुत्र नैन सिंह निवासी बोरबलड़ा थाना कपकोट जिला बागेश्वर बताया। जिसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय मे पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बरामद चरस की कीमत दस लाख रूपये बतायी जा रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।